पेज थ्री देहरादून

जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध करा रही विभिन्न सामाजिक संस्थाएं।

हमारा दून

देहरादून रविवार 12 अप्रैल 2020 पेज 8

संक्षिप्त समाचार

जरूरतमंदों के लिए भोजन किया पुलिस के सुपुर्द

संवाददाता देहरादून। श्री पृथ्वीनाथ महादेव मंदिर सेवा दल के तत्वावधान में श्री श्री 108 रविंद्र पुरी महाराज के पावन सानिध्य में जरूरतमंदों की सहायतार्थ खाने के पैकेट सेवा दल द्वारा पुलिसकर्मियों को सुपुर्द किए गए।
इस अवसर पर पुलिसकर्मियों द्वारा वह पैकेट जहां जरूरतमंदों को आवश्यक थी थी वहां क्षेत्र में जाकर वितरित किए गए। इस अवसर पर दिगंबर दिनेश पुरी, रजनीश यादव, अनुराग गुप्ता, विक्की गोयल, प्रवीण बंसल, संजय गर्ग, तुषार बंसल, दीपक मित्तल, अनिल गोयल, राकेश मित्तल, बीनू अखिल गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

मु. शि. अधिकारी से तीन महीने की फीस माफ करने की मांग

संवाददाता देहरादून। डीएवी पीजी कॉलेज के पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष एवं भाजपा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष सौरभ शर्मा ने मुख्य शिक्षा अधिकारी से तीन महीने की फीस माफ करने की मांग की है। यहां जारी एक बयान में उन्होंन इसके साथ–साथ निजी स्कूलों और शैक्षिक संस्थान से मांग करते हुए कहा कि तीन महीने की फीस माफ की जाए जिससे अभिभावकों को राहत मिल सके। सौरभ ने कहा कि लॉकडाउन के चलते बहुत से लोगों के रोजगार पर असर पर पड़ा है। डीएवी कॉलेज के पास जितने भी कोचिंग सेंटर हैं उन सबसे भी फीस में रियत देने की मांग की। इस मौके पर गौतम सिंह, अंकित वर्मा, मंजीत आदि मौजूद थे।

पांच टी प्लान पर काम करे सरकार : आप

संवाददाता देहरादून। आम आदमी पार्टी ने लॉकडाउन बढ़ाने को जरूरी बताते हुये कोरोना की रोकथाम के लिये दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार के की भांति पांच टी प्लान टेस्टिंग, ट्रेसिंग, ट्रीटमेंट, टीमवर्क, ट्रेकिंग पर काम करने की मांग राज्य सरकार से की है। पार्टी द्वारा बताया गया है कि प्रदेश में कोरोना संकट को देखते हुए सरकार ने लॉकडाउन को आगे बढ़ाने की सिफारिश केंद्र सरकार से की है और कोरोना को लेकर अभी जो स्थिति बनी है उसे देखते हुए ये जरूरी भी है। परन्तु कोरोना संकट से निपटने और लॉकडाउन के दौरान व्यवस्था बनाने में सरकार की भूमिका अभी तक संतोषजनक नही रही है।

पिछले 12 दिनों से पांच हजार को कराया भोजन

संवाददाता देहरादून। देहरादून। उत्तराखंड नवनिर्माण सेना के संस्थापक व प्रदेश महासचिव सुशील कुमार ने कहा है कि विश्व तथा देश का सामना कोरोना नामक महामारी हुआ जिसके चलते जिस पर अंकुश लगाने हेतु जनहित में विभिन्न राज्यों सहित संपूर्ण देश में लोकडाउन लगाने का आवश्यक निर्णय लिया गया।

आगे के लिए केन्द्र से गाइडलाइन आ जाएगीः सीएम

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित मुख्यमंत्रियों की वीडियो कांफ्रेंसिग में प्रतिभाग किया। वीडियो कांफ्रेंसिग के बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जो निर्देश दिये हैं, उनका पालन किया जाए। एक दो दिन में आगे के लिए केन्द्र से गाइडलाइन आ जाएगी। इसकी अनुपालना सुनिश्चित करनी है। आरोग्य सेतु मोबाईल एप की उपयोगिता को देखते हुए इसे डाउनलोड करने के लिए अधिक से अधिक लोगों को प्रेरित किया जाए। प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार कोरोना वायरस से लडने के लिए सामाजिक और फोकस्ड प्रयास करने हैं। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि हमारे स्वास्थ्य कर्मियों और पुलिस कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार न हो। ऐसा करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। आवश्यकता होने पर टेस्टिंग लेब बढाने का प्रयास किया जाए। यह भी देखा जाए कि कहीं भी आवश्यक वस्तुओं का संग्रहण और कालाबाजारी न हो। उत्तराखंड में अभी तक कोरोना से एक भी मरीज की मृत्यु नहीं हुई है। जबकि 5 लोग ठीक हो चुके हैं। आगे भी हमें देखना है कि कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों की समुचित देखभाल हो।

जो सहयोग नहीं करेगा, उस पर हत्या का मुकदमा दर्ज होगा

निर्देश

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश में लॉकडाउन 14 अप्रैल के बाद भी जारी रखने के समर्थन में उतरी प्रदेश सरकार इस मामले में ज्यादा सख्ती बरतने को लेकर पूरी सावधानी बरत रही है। लॉकडाउन में हर रोज दी जा रही छह घंटे की ढील कम करने में सुरक्षित शारीरिक दूरी का पेच है। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि हर रोज लॉकडाउन में छूट की अवधि घटाने से दुकानों, बाजारों में ज्यादा भीड़ उमड़ेगी। ऐसे में सुरक्षित शारीरिक दूरी को बनाए रखने में अड़चन आ सकती है। सरकार ढील कम नहीं करना चाहती। आगे इस पर परिस्थितियों के मुताबिक फैसला लेंगे। उन्होंने कहा कि तब्लीगी जमात का जो भी व्यक्ति सहयोग नहीं करेगा, उस पर हत्या का मुकदमा दर्ज होगा। विभिन्न स्तर पर व्यापक चर्चा और मंथन के बाद कोरोना का खतरा कम करने को लॉकडाउन आगे बढ़ाने की सिफारिश राज्य की ओर से केंद्र को की जा चुकी है।

राज्य के प्रबुद्ध लोग और स्वास्थ्य विशेषज्ञ सलाह दे रहे हैं कि लॉकडाउन में और सख्ती बरती जाए। लिहाजा हर रोज सुबह सात बजे से दोपहर एक बजे तक मिलने वाली छूट की अवधि कम की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने स्वीकार किया कि लॉकडाउन को आगे बढ़ाने के साथ ही उसमें और सख्ती लाने के लिए बड़ी संख्या में सुझाव राज्य सरकार को मिले हैं। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन में हर रोज ढील की मौजूदा अवधि सोच–समझकर तय की गई है। इसके पीछे मूल भावना लोगों के बीच सुरक्षित शारीरिक दूरी को बनाए रखने की है। कम समय मिलने पर ज्यादा संख्या में लोग दुकानों और बाजारों में उमड़ेंगे। ऐसे में पूरी कवायद खतरे में पड़ सकती है।

जांच में मदद करें जमातीः मुख्यमंत्री ने तब्लीगी जमात के लोगों से कोरोना जांच में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोरोना का पंथ, धर्म, संप्रदाय से लेना–देना नहीं है। इस संबंध में सरकार ने मुस्लिम समाज के सुधी लोगों और धर्मगुरुओं से बातचीत की। इसका अच्छा नतीजा ये रहा कि जांच के लिए लोग खुद आगे आए। उन्होंने कहा कि सामने नहीं आने वाले कोरोना संदिग्धों पर हत्या की कोशिश में मुकदमा दर्ज होगा। यदि कोरोना पॉजिटिव पाया गया तो ऐसे व्यक्ति पर हत्या की धारा में मुकदमा किया जाएगा।

लॉकडाउन के दौरान ढील में नहीं होगी कटौतीः सीएम

प्रतिबंधित क्षेत्रों में रखा जा रहा पूरा ख्याल

प्रतिबंधित क्षेत्रों में लोगों का पूरा ख्याल रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉकडाउन को लेकर राज्य सरकार ने केंद्र के निर्देशों पर मर्यादा रेखा का पालन किया है। कोरोना के अब तक राज्य में कुल 35 पॉजिटिव केस में 33 सिर्फ चार जिलों देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल और ऊधमसिंहनगर जिले में हैं। ऐसे में इन जिलों में पूरी निगरानी की जा रही है। हल्द्वानी के कुछ क्षेत्रों के साथ ही देहरादून में चार–पांच मुहल्ले और गांवों में संक्रमण के अंदेशे को देखते हुए सख्ती की गई है। इन इलाकों में लोगों को असुविधा न हो, इसके लिए मोबाइल वैन से सामान पहुंचाया जा रहा है। मोबाइल एटीएम का भी बंदोबस्त किया गया है, ताकि इन क्षेत्रों के लोगों को घरों से बाहर निकलना न पड़े। ऐसे इलाकों में आवाजाही पर पाबंदी लगाई गई है।

जरूरतमंद तक राशन पहुंचा कर मिलती है खुशी

चुनौती

■ लॉकडाउन का सख्ती से करें पालन

देहरादून। **संवाददाता**

खाकी के पीछे संवेदनशील इंसान का दिल दूसरों के लिए किस तरह धड़कता है। यह देखना हो तो पुलिस लाइन में बने स्टेट कोरोना कंट्रोल रूम के प्रभारी एसपी क्राइम लोकजीत सिंह से रूबरू होना होगा। हर दिन सुबह छह बजे से रात के बारह बजे तक 18 घंटे की कड़ी ड्यूटी के दौरान उन्हें एक ही फिक्र होती है कि राज्य में कहीं भी कोई भूखा न रहे। यही नहीं, वह इस बात का भी ख्याल रख रहे हैं कि अन्य प्रांतों में फंसे उत्तराखंड वासियों तक जरूरत का सामान पहुंच रहा है या नहीं। उनकी कुशलता जानने के लिए कंट्रोल रूम में आने वाले हर फोन के बारे में अपडेट लेते रहते हैं। इस दौरान उन्हें अपने खाने का भी ध्यान नहीं रहता। मेस के कर्मचारी जब दो–तीन बार उन्हें याद दिलाते हैं तब वह बाकी पुलिस कर्मियों के साथ भोजन करते हैं। लोकजीत सिंह कहते हैं कि कंट्रोल रूम में राशन के लिए आने वाले फोन कॉल का अलग ब्योरा तैयार कराते हैं। फिर इसकी जानकारी संबंधित थाने को भेज दी जाती है। वहां से उन तक जरूरत का सामान पहुंचा दिया जाता है। अगले दिन उनसे फीडबैक लिया जाता है, जबकि खुश होकर कहते हैं कि संकट के दौरान पुलिस देवदूत बनकर आई तो सारी थकान दूर हो जाती है।

लोकजीत सिंह कहते हैं कि जब लॉकडाउन उल्लंघन की खबरें आती है तो तकलीफ होती है। वह कहते हैं कि पुलिस दिन–रात इस मुहिम में लगी है कि कैसे कोरोना वायरस को फैलने से रोका जाए।

फंसे लोगों तक पहुंचाई मदद

पुलिस कंट्रोल रूम के नंबर को उन लोगों से भी साझा किया गया है कि जो महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, पंजाब, उत्तर प्रदेश या अन्य राज्यों में फंसे हैं। इन लोगों के फोन आने पर त्वरित कार्रवाई की जरूरत होती है, क्योंकि देरी होने से उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ऐसे में संबंधित राज्य की पुलिस से संपर्क करने में देरी का सवाल नहीं उठता। लोकजीत सिंह कहते हैं कि उन्हें भूख–प्यास ही क्यों न लगी हो। जब तक उन तक मदद नहीं पहुंच जाती, खुद को चैन नहीं आता।

ऑनलाइन परीक्षा कराये जाने का करेंगें पुरजोर विरोध

संवाददाता देहरादून। डीएवी पीजी कालेज छात्र संघ अध्यक्ष निखिल शर्मा ने हेमवती नंदन बहुगुणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को पत्र भेजकर ऑन लाइन परीक्षा के स्थान पर असाइनमेंट बेस परीक्षा कराये जाने की मांग की है।

यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि हेमवती नंदन बहुगुणा केन्द्रीय गढ़वाल विश्वविद्यालय द्वारा एक नोटिस जारी करके ऑन लाइन परीक्षा करवाने का विषय रखा गया है और डीएवी महाविद्यालय ही नहीं अपितु अधिकांश छात्र दुर्गम इलाकां से भी यहां पर अध्ययनरत है और महाविद्यालयों में तकनीकी संसधनों का अभाव है एवं अधिकतर छात्र भी तकनीकी से भी पृथक है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस कोविड 19 महामारी के कारण दून में पढ़ रहे पहाड़ के छात्र छात्राये अपने परिवारजनों के पास वापस अपने गांव लौट चुके है और ऐसे में यह तर्कसंगत नहीं है कि ऑनलाइन परीक्षायें करवाई जाये।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।
फैक्स नं०–
0135-2650558
(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।